

## Padma Bhushan



### **SHRI KUNDAN RAMANLAL VYAS**

Shri Kundan Ramanlal Vyas is the Chief Editor of the Janmabhoomi Group of Newspapers. These newspapers, founded by visionary freedom fighter Shri Amritlal Sheth during the freedom struggle of India, are part of the freedom movement. The Group includes Janmabhoomi from Mumbai (90 years), Phulchhab from Rajkot (102 years), Kutchmitra from Bhuj (75 years) and country's first financial Newspaper Vyapar (Gujarati & Hindi). He has a vast experience of over six decades in journalism. He has been associated with prestigious professional organisations.

2. Born on 5<sup>th</sup> December, 1941, Shri Vyas is a Graduate in Arts and Law from University of Mumbai. He had a passion for journalism and started his career in the field of journalism from 1961-62. He joined Janmabhoomi Group in the year 1964. In the year 1967, he was appointed as the Chief of Janmabhoomi Group News Bureau at New Delhi. For more than three decades he had an opportunity of witnessing and reporting the political, economic and social developments from very close quarters. His daily political commentary "Delhi Durbaar" was very popular amongst the readers.

3. Shri Vyas had witnessed and reported the political upheaval of the year 1969, which marked a new chapter in political history. He was War Correspondent during India-Pakistan war of 1971. He also covered important international conferences held in India and abroad. He was accredited to parliament for "Long and Distinguished Service". He was the member of Press Gallery Advisory Board of the Lok Sabha (1978-1980). He was also the Joint Secretary to The Press Advisory Committee, appointed by Hon'ble Speaker of the Lok Sabha (1993-94). He was given the responsibility as the Group Editor of Janmabhoomi Group of Newspapers, Mumbai in 1996.

4. With his rich experience, he has penned few books in Gujarati, namely "Kargil Katha Ane Vyatha": Based on his experience as a War Correspondent; "Delhi Durbaar - Nehru Thi Narendra Modi": Two volumes of historical-political events, and "Ek Patrakaar Ni Vyavsay Katha: An autobiography of a journalist". He has been Member of Press Council of India (2004-2011 and 2014-2017), President of Indian Languages News Association (2003-2005), President of Indian Newspaper Society (2010-2011) and Member of the Editors' Guild of India.

5. Shri Vyas is the recipient of numerous awards and honours. To name a few Dag Hammarskjold Fellowship of United Nations (1976), UN HQ, New York; Lokmanya Tilak Award (2014), Dr. Harivanshrai Bacchan Patrakaar Puraskar (2003) and Priyadarshini Award (1999).

## पद्म भूषण



### श्री कुंदन रमणलाल व्यास

श्री कुंदन रमणलाल व्यास जन्मभूमि समाचार-पत्र समूह के मुख्य संपादक हैं। भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान दूरदृष्टा स्वतंत्रता सेनानी अमृतलाल सेठ द्वारा शुरू किए गए ये समाचार-पत्र स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा रहे हैं। इस समूह में मुंबई से जन्मभूमि (90 वर्ष), राजकोट से फुलछाब (102 वर्ष), भुज से कच्छमित्र (75 वर्ष) और देश का पहला वित्तीय समाचार-पत्र व्यापार (गुजराती और हिन्दी) शामिल हैं। इन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में छह दशकों से ज्यादा का अनुभव है। ये प्रतिष्ठित व्यावसायिक संगठनों से संबद्ध रहे हैं।

2. 5 दिसम्बर, 1941 को जन्में श्री व्यास मुंबई विश्वविद्यालय से मानविकी और कानून में स्नातक हैं। इन्हें पत्रकारिता का शौक था और इन्होंने 1961-62 से पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना कैरियर शुरू किया। वह वर्ष 1964 में जन्मभूमि समूह में शामिल हुए। वर्ष 1967 में, इन्हें जन्मभूमि न्यूज ब्यूरो, नई दिल्ली का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। तीन दशकों से भी अधिक समय तक इन्हें बहुत निकटता से राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक विकास का साक्षी बनने और इसकी रिपोर्टिंग करने का अवसर प्राप्त हुआ। इनकी दैनिक राजनीतिक कमेंट्री "दिल्ली दरबार" पाठकों के बीच बहुत प्रसिद्ध थी।

3. श्री व्यास वर्ष 1969 की उस राजनीतिक उथल-पुथल के साक्षी रहे और उसकी रिपोर्टिंग की, जिसने राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय लिखा। वह 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान युद्ध संवाददाता थे। इन्होंने भारत और विदेशों में आयोजित महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों को भी कवर किया। इन्हें "दीर्घ और विशिष्ट सेवा" के लिए संसद से मान्यता प्राप्त थी। वह लोकसभा (1978-1980) के प्रेस गैलरी सलाहकार बोर्ड के सदस्य थे। वह लोकसभा (1993-94) के माननीय अध्यक्ष द्वारा नियुक्त प्रेस सलाहकार समिति के संयुक्त सचिव भी थे। वर्ष 1996 में उन्हें जन्मभूमि समाचार-पत्र समूह, मुंबई के समूह संपादक के रूप में जिम्मेदारी दी गई थी।

4. अपने समृद्ध अनुभव से, इन्होंने गुजराती में कुछ पुस्तकें लिखीं, यथा "कारगिल कथा अने व्यथा": एक युद्ध संवाददाता के रूप में अपने अनुभव पर आधारित; "दिल्ली दरबार - नेहरू थी नरेन्द्र मोदी" : ऐतिहासिक-राजनीतिक घटनाओं के दो खंड, और "एक पत्रकार नी व्यवसाय कथा : एक पत्रकार की आत्मकथा"। वह भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य (2004-2011 और 2014-2017), भारतीय भाषा समाचार संघ के अध्यक्ष (2003-2005), इंडियन न्यूजपेपर सोसायटी के अध्यक्ष (2010-2011) तथा एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के सदस्य रहे हैं।

5. श्री व्यास को कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया है, जिनमें से संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, न्यूयॉर्क की डैग हैमर्सकॉर्जॉल्ड फेलोशिप (1976), लोकमान्य तिलक पुरस्कार (2014), डॉ. हरिवंशराय बच्चन पत्रकार पुरस्कार (2003) और प्रियदर्शिनी पुरस्कार (1999) प्रमुख हैं।